हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
Registered & Head Office

HINDUSTAN COPPER LIMITED

CIN No. : L27201WB1967GO1028825

ताम्र भवन TAMRA BHAVAN
1, आशुतोष चौधरी एवेन्यू
1, Ashutosh Chowdhury Avenue,
पो०बॉ०सं० P.B.No. 10224
कोलकाता KOLKATA-700 019

भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT.OF INDIA ENTEERPRISE

सं.- HCL/SCY/*SE/ 2016* 29.09.2020

वरिष्ठ महाप्रबंधक,
कॉरपोरेट सेवा विभाग,
बी.एस.ई.लिमिटेड,
फिरोज जीजीभ्वाय टॉवर,
दलाल स्ट्रीट,
मुम्बई- 400 001
BSE Scrip Code 513599

उपाध्यक्ष,
लिस्टिंग विभाग,
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.,
एक्सचेंज प्लाजा, सी-1, ब्लॉक-जी,
बांद्रा- कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (ईस्ट),
मुम्बई- 400 051
NSE Symbol : HINDCOPPER

महाशय/महोदया,

विषय: सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यक्ताएँ) विनियमन-2015 के विनियमन 30 के अनुसरण में कंपनी की 53-वीं वार्षिक आम बैठक का कार्यवृत्त

1. भारतीय समय के अनुसार दिनांक 29-09-2020 को 11 बजे पूर्वाह्न हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड की 53-वीं वार्षिक आम बैठक विडियो कॉफ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम से आयोजित बैठक का कार्यवृत्त संलग्न है ।

2. उपर्युक्त सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यक्ताएँ) विनियमन-2015 के विनियमन 30 के अनुसरण में सूचना एवं रिकार्ड के लिए प्रस्तुत है ।

धन्यवाद ।

भवदीय,
ह0/-
(सी.एस.सिंघी)
कार्यकारी निदेशक(कंपनी सचिव)

अनुलग्नक : यथा उपर्युक्त ।

फोन Tel: 2283-2226 (Hunting), फैक्स Fox: (033) 2283-2478/2640

इ-मेल E-mail: hcLho@hindustancopper.com, वेब Web: www.hlndustancopper.com

अनुबंध

हिंदुस्तान कॉपर लि. ('कंपनी') की, भारतीय मानक समय के अनुसार मंगलवार, 29 सितंबर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल साधन के माध्यम से सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:48 बजे तक आयोजित 53-वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की कार्यवाही का सारांश।

श्री अरुण कुमार शुक्ला, कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की अध्यक्षता की । पूरी बैठक में कोरम मौजूद था। 96 (छियानवे) सदस्य वार्षिक आम बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स के माध्यम से शामिल हुए। बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई । अध्यक्ष द्वारा दिये गये भाषण की एक प्रति संलग्न है।

सदस्यों द्वारा निष्पादित साधारण और विशेष व्यवसाय नीचे सीरियल नंबर 1 से 9 के तहत सूचीबद्ध हैं। विचार-विमर्श के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर दिया गया। दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा वोट डालने की सुविधा 26.09.2020 (9:00 AM) से 28.09.2020 (5:00 PM) तक सदस्यों को प्रदान की गई। बैठक के दौरान सदस्यों को ई-वोटिंग की सुविधा भी प्रदान की गई। 53-वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना दिनांक 03-02-2020 के अनुसार व्यापार की निम्नलिखित वस्तुओं का लेन-देन निष्पादित किये गये:

साधारण व्यवसाय

1. 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण (एकल एवं समेकित) के साथ-साथ निदेशकों, लेखा परीक्षकों और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को स्वीकार किया गया ।

2. श्री अुरुण कुमार शुक्ला (DIN 03324672) की पुनर्नियुक्ति जो रोटेशन के आधार पर सेवानिवृत्त हो रहे हैं और दावेदार होने के कारण स्वयं को पुनर्नियुक्ति के लिए पेश करते हैं ।

3. श्री सुखेन कुमार बंद्योपाध्याय (DIN 08173882) की पुननिर्युक्ति जो रोटेशन के आधार पर सेवानिवृत्त हो रहे हैं और दावेदार होने के कारण स्वयं को पुनर्नियुक्ति के लिए पेश करते हैं ।
4. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक का निर्धारण

विशेष व्यवसाय :

5. श्री संजीव वर्मा (DIN 08836996) को अंशकालिक कार्यालयीन निदेशक के रुप में नियुक्ति
6. श्री आर. कल्याणसुन्दरम (DIN 08518006) को अंशकालिक गैर कार्यालयीन निदेशक के रूप में नियुक्ति
7. श्री पवन कुमार धवन (DIN 07327568) को अंशकालिक गैर कार्यालयीन निदेशक के रूप में नियुक्ति
8) श्री बलविन्दर सिंह कैंथ (DIN 07239321) को अंशकालिक गैर कार्यालयीन निदेशक के रूप में नियुक्ति
9. वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के लागत लेखा परीक्षक सुश्री चटर्जी एण्ड कं., को दिये जाने वाले
. पारिश्रमिक की संपुष्टि

बैठक की कार्यसूची के अनुसार सभी प्रस्ताव पर्याप्त बहुमत से पारित किये गये ।

****

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

ह0/-

कार्यकारी निदेशक एवं कंपनी सचिव

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

अध्यक्षीय भाषण

53-वीं आम बैठक

29 सितम्बर 2020, कोलकाता

प्रिय शेयरधारक, बोर्ड के सदस्य एवं विशिष्ट अतिथिगण,

सुप्रभात और एचसीएल के 53 वें एजीएम में आप सभी का बहुत-बहुत हार्दिक स्वागत है। जैसा कि कंपनी सचिव ने पुष्टि की है कि अपेक्षित कोरम मौजूद है, मैं बैठक को प्रारंभ करने की अनुमति देता हूं।

इस वर्ष, कोविड-19 महामारी के कारण, हम सामाजिक दूरस्थता और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए वर्चुअली मिल रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कोविड-19 महामारी के प्रकोप ने दुनिया भर में अभूतपूर्व संकट पैदा किया है। इस संकट की स्थिति में, हमारे देश ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए एक रोड मैप तैयार किया है, जिसमें '**अत्म निर्भर भारत**' का आह्वान किया गया है, जो निर्माण और उत्पादन में परस्पर निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर संक्रमण का प्रस्ताव है।

इस ऑनलाइन बैठक में आपकी मौजूदगी कंपनी में आपके समर्थन और विश्वास की गवाही देती है और मैं आपको इस ई-सभा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देता हूं।

2019-20 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी जिसमें 53-वें एजीएम की नोटिस, निदेशकों की रिपोर्ट, 31 मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखा परीक्षित विवरण हैं, आपको परिचालित किया गया है। मुझे यकीन है कि आपने उसे देखा होगा और कंपनी के भौतिक और वित्तीय स्थिति से परिचित हुए होंगे । आपकी अनुमति से, मैं वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 को पढ़ता हूं।

अब, मैं भारतीय अर्थव्यवस्था और कॉपर क्षेत्र के विकास के बारे में चर्चा करना चाहूँगा, जिसका असर धातु और खनन क्षेत्र पर है । मैं इस अवसर का उपयोग वित्तीय वर्ष 2019-20 में कंपनी के प्रदर्शन को साझा करने के लिए करना चाहता हूं, और कंपनी की योजनाओं और भविष्य की विकास रणनीति पर चर्चा करता हूं।

उद्योग

वर्तमान में, कोविड-19 वैश्विक महामारी ने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य के संकट का कारण बना है, बल्कि 1930 के महामंदी के बाद अब तक देखे गये पैमाने पर वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी बाधित किया है। खनन क्षेत्र भी इसके प्रभावों से अछूता नहीं है, और इस संकट से उद्योग पर इसका अल्प, मध्यम और दीर्घकालिक गंभीर परिणाम पड़ने की संभावना है।

वैश्विक व्यापार परिदृश्य

आई.सी.एस.जी. (ICSG) की रिपोर्ट ने संकेत दिया कि कलेंडर वर्ष 2020 की पहली छमाही में विश्व में तांबे की खान और कंसेन्ट्रेट के उत्पादन में क्रमशः 1% और 1.2% की गिरावट आई है। खान का उत्पादन अप्रैल-मई 2020 के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ और इसमें कोविड-19 महामारी के कारण 4% तक गिरावट आई ।

कैलेंडर वर्ष 2019 के दौरान, प्रमुख तांबा उत्पादक देशों में उत्पादन कम होने के कारण विश्व तांबे की खान से उत्पादन में लगभग 0.7% की गिरावट आई और यह 20.43 मिलियन टन (धातु की स्थिति में) के स्तर पर पहुंच गया।

कैलेंडर वर्ष 2019 के दौरान विश्व परिशोधित तांबे के उत्पादन में लगभग 0.6% की गिरावट आई और यह 23.94 मिलियन टन के स्तर पर पहुंच गया। उच्च स्तर के असामान्य स्मेल्टर व्यवधान, तकनीकी उन्नयन के लिए अस्थाई बंदी, आधुनिकीकरण और आपूर्ति व्यवधान के कारण उत्पादन वृद्धि बाधित थी।
2020 की पहली छमाही में प्रारंभिक विश्व परिशोधित तांबे का ह्रास 2.35 लाख टन की स्पष्ट कमी को दर्शाता है और निकट भविष्य में एलएमई मूल्य में तेजी रहने की उम्मीद है। तांबे की मांग में निरंतर वृद्धि, हालांकि, अधिक टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में प्रगतिशील कदम, जनसंख्या में वृद्धि और जीवन स्तर, उत्पाद नवाचार, आदि के कारण जारी रहने की उम्मीद है।

भारतीय ताम्र परिदृश्य

वैश्विक बाजारों की तुलना में, भारत में तांबे के अयस्क भंडार / संसाधन सीमित हैं, जो विश्व तांबे भंडार का लगभग 1.5% है। खनन उत्पादन दुनिया के उत्पादन का सिर्फ 0.2% है, जबकि

परिष्कृत तांबे की उत्पादन क्षमता दुनिया के उत्पादन का लगभग 4% है। भारतीय कॉपर उद्योग का आकार (प्रति वर्ष परिष्कृत तांबे की खपत) लगभग 6.6 लाख टन है, जो विश्व तांबा बाजार का केवल 3% है।

तीन प्रमुख दावेदार हैं जिसका घरेलू तांबा उद्योग पर बर्चस्व है -हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL), सार्वजनिक क्षेत्र में, और निजी क्षेत्र में मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज एवं मेसर्स वेदांत । दक्षिण भारत में एक संयंत्र के स्थायी रूप से बंद होने के कारण भारत में उत्पादन में काफी गिरावट आई है।

वित्त वर्ष 2019-20 में, भारत में तांबा अयस्क का उत्पादन 3.97 मिलियन टन था। एचसीएल की अगले 9 वर्षों में प्रथम चरण में अपने वर्तमान स्तर के अयस्क उत्पादन से खनन क्षमता को बढ़ाकर 12.2 MTPA करने की योजना है और द्वितीय चरण में खदान की क्षमता 20.2 MTPA तक बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वित्त वर्ष 2019-20 में एचसीएल के कंसेन्ट्रेट धातु उत्पादन 26,502 टन था।

वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान भारत में परिष्कृत तांबे का उत्पादन लगभग 4.08 लाख टन (स्टरलाइट -0.77 लाख टन, एचसीएल -0.05 लाख टन और हिंडाल्को -3.25 लाख टन) था, जबकि वित्त वर्ष 2018-19 में 4.57 लाख टन था।

भारत में कॉपर परिदृश्य (आउटलुक)

भारत में कॉपर की मांग 7% -8% बढ़ने की उम्मीद है। बिजली क्षेत्र की बढ़ती मांग और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए घरेलु बढ़ती मांग से भारत में तांबे की मांग बढ़ेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विनिर्माण भी तांबे की खपत में वृद्धि करेगा क्योंकि ईवी पारंपरिक आंतरिक दहन इंजनों (इंटरनल कंबस्टन इंजन) की तुलना में चार गुना अधिक तांबे का उपयोग करता है। भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत 0.5 किलोग्राम के मौजूदा स्तर से बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया में प्रति व्यक्ति तांबे की औसतन खपत 3.2 किलोग्राम है।

कृपया अब मुझे पिछले वर्ष के दौरान कंपनी के निष्पादन के बारे में बताने की अनुमति दी जाय।

भौतिक निष्पादन

प्रिय शेयरधारकों, इस वर्ष उत्पादन निष्पादन निम्न कारणों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है । कोलिहान खदान में अयस्क उत्पादन प्रणाली के व्यवधान के कारण पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 के दौरान अयस्क का उत्पादन 3.74% कम था। मालांजखंड कॉपर प्रोजेक्ट (MCP) और खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (KCC) में अयस्क की निम्न श्रेणी के साथ-साथ के.सी.सी. में पानी की कमी के कारण कंसेंट्रेट धातु (MIC) का उत्पादन 18.30% कम रहा।

2019-19 के दौरान अयस्क का समग्र ग्रेड 0.75% था जबकि 2018-19 में 0.87% था। सामग्री की उपलब्धता एमसीपी के खुले पिट की खदान में कम थी जो अपनी अंतिम गहराई तक पहुंच गई है और खुले पिट से भूमिगत खनन के लिए यह संक्रमण चरण में है।

संक्रमण चरण के दौरान उत्पादन को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए, कंपनी ने वर्ष के दौरान एमसीपी भूमिगत खदान से अयस्क उत्पादन के लिए अनुबंध प्रदान किया था। हालांकि, चल रही महामारी के कारण काम शुरू करने में देरी हुई है।

केसीसी में पानी की कमी की समस्या को दूर करने के लिए, कंपनी ने कुंभाराम परियोजना से पानी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए राजस्थान राज्य सरकार के साथ मामला उठाया था। वर्ष के दौरान कैथोड और वायर रॉड का उत्पादन कंपनी और बाजार परिदृश्य की व्यावसायिक योजना के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री के कारण कम था।

वित्तीय निष्पादन :

2019-20 के दौरान, कंपनी का कारोबार पिछले वर्ष हासिल किये गये 1753.44 करोड़ की तुलना में 803.17 करोड़ रुपये कम था जोकि वर्ष के दौरान तांबे की एलएमई मूल्य में गिरावट के साथ कम बिक्री के कारण है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए जिम्मेदार कारणों के कारण खरीदार द्वारा तांबा कांसेन्ट्रेट नहीं उठाने के कारण बिक्री योग्य स्टॉक का संचय हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2018-19 में 145.51 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 2019-20 के दौरान कर-पश्चात नुकशान (569.35 रुपये) दर्ज की । 2019-20 के दौरान वित्तीय प्रदर्शन उत्पादन के प्रदर्शन में कमी, बिक्री की मात्रा कम होने और एक बार ताम्र कॉसेन्ट्रेट में धातु सामग्री के सामंजस्य से उत्पन्न 257.10 करोड़ रु. का राइट-ऑफ करने की वजह से प्रभावित हुआ है । इसके अलावा, निम्न श्रेणी के तांबा और वर्तमान में विनिर्माण प्रक्रिया में उपयोग में नहीं आने वाली सामग्री के लिए लेखा खाते में रु.- 183.32 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

कंपनी के प्रदर्शन में सुधार के लिए उठाए गए सुधारात्मक कदम:

एचसीएल ने स्वदेशी कॉपर मैन्युफैक्चरर्स को कच्चे माल की आपूर्ति का आश्वासन देने के लिए अपने कुल तांबे के उत्पादन का 60% बेचने के लिए मैसर्स हिंडाल्को के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन दोनों कंपनियों को अपने व्यापार की स्थिति का लाभ उठाने में मदद करेगा। यह साझेदारी देश के मिशन "मेक इन इंडिया" और “आत्मनिर्भर भारत” अभियान को भी पूरा करेगी।

अगले 10 वर्षों के लिए एचसीएल की कॉर्पोरेट योजना (कॉरपोरेट प्लान 2030) का चार्ट तैयार किया गया है।

कंपनी के खरीद मैनुअल को संशोधित किया गया है और वित्त वर्ष 2020-21 से लागू किया गया है।

तांबे धारक सूची के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SoP) तैयार और कार्यान्वित की गई है।

लाभांश

आपके निदेशकों ने चालू वर्ष के दौरान दर्ज की गई हानि को देखते हुए वर्ष 2019-20 के लिए इक्विटी शेयरों पर किसी भी लाभांश की सिफारिश नहीं की है।

परियोजनाओं का विस्तार :

आपकी कंपनी ने घरेलु तांबे उत्पादन पर जोर देने के लिए प्रथम चरण में वर्तमान 4 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 12 मिलियन टन प्रति वर्ष खान उत्पादन क्षमता करने की योजना बनाई है जो बढ़कर द्वितीय चरण में 20.2 मिलियन टन प्रति वर्ष तक हो जायेगी ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके ।

मौजूदा ओपन पिट खदान के नीचे विकासशील और भूमिगत खदान से 2.0 से 5.0 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए मलांजखंड ताम्र परियोजना का विस्तार कार्यान्वयनाधीन है। हालांकि, खराब वित्तीय स्थिति के कारण, अनुबंध एजेंसी एन.सी.एल.टी. को संदर्भित किया गया है, और यह लिक्विडेशन प्रक्रिया के अधीन है जिसने मलांजखंड में भूमिगत खदान के निर्माण की प्रगति को प्रभावित किया । कोविड -19 महामारी की स्थिति और तरलता की समस्या के बावजूद, आपकी कंपनी परियोजना को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है और मलांजखंड में भूमिगत खदान से उत्पादन शुरू कर रही है।

वर्ष 2019-20 के दौरान राजस्थान के खेतरीनगर के खेतड़ी खानों के बनवास ब्लॉक से विकासात्मक कार्य पूरा होने के पश्चात 243942 टन अयस्क का उत्पादन किया गया है ।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने अगस्त 2020 में आयोजित अपनी बैठक में झारखंड के घाटशिला में सुरदा खदान के नवीकरण के लिए पर्यावरणीय मंजूरी देने की सिफारिश की है, जो 31 मार्च 2020 तक मान्य थी । सुरदा खनन पट्टे का नवीनीकरण किया जाएगा और उत्पादन फिर से शुरू किया जाएगा।

झारखंड के घाटशिला में केंदाडीह खान का विकासत्मक कार्य प्रगति पर है । वर्ष 2019-20 के दौरान केंदाडीह खान से 43210 मैट्रिक टन अयस्क का उत्पादन हुआ । निर्धारित क्षमता पर उत्पादन करने के लिए नये सिरे से ठेका देने की कार्रवाई प्रारंभ की गई है ।

कंपनी बंद राखा कॉपर खान को फिर से खोलने और विस्तार करने, चपरी-सिद्धेश्वरी में एक नई भूमिगत खदान के विकास और आईसीसी में एक नए कॉसेन्ट्रेटर संयंत्र के निर्माण और संस्थापना के लिए माइन डेवलॉपर-सह- संचालक (MDO) के माध्यम से ठेकेदार को संलग्न करने के लिए रास्ते तलाश रही है। एमडीओ के चयन हेतु लेनदेन सलाहकार की नियुक्ति के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है।

निगम से संबंधित शासन प्रणाली

आपकी कंपनी सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियमन 2015 के प्रावधानों और सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है।

आपकी कंपनी ने खान मंत्रालय से लागू दिशानिर्देशों के अनुसार निदेशकों के रिक्त पद को भरने के लिए अनुरोध किया है । यह सरकार के विचाराधीन है।

सार्वजनिक उपक्रम विभाग द्वारा अधिसूचित रिपोर्ट के अनुसार आपकी कंपनी ने 2018-19 के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस के अनुपालन के लिए 'उत्कृष्ट' ग्रेड और "बहुत अच्छा" एमओयू रेटिंग प्राप्त किया है ।

समाज के प्रति जिम्मेदारी

आपकी कंपनी कंपनी की सीएसआर नीति और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार नियोजित प्रक्रियाओं के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आपकी कंपनी ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने, सुरक्षित पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने, व्यावसायिक कौशल, आजीविका के अवसरों को बढ़ाने, पर्यावरण स्थिरता और खेल-कूद को बढ़ावा देने जैसी कई परियोजनाएं शुरू की हैं।

कोविड -19 के प्रसार को रोकने हेतु की गई पहल

भारत सरकार और संबंधित राज्यों द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में किया जा रहा है। कार्यस्थलों में, हाथ सैनिटाइज़र को प्रवेश बिंदुओं पर रखा जाता है और प्रवेश बिंदु पर स्क्रीनिंग के लिए थर्मल स्कैनर का उपयोग किया जाता है। कर्मचारियों को मास्क वितरित किए गए हैं। इसके अलावा यूनिट टाउनशिप और कार्यालयों को नियमित रूप से सैनिटाइज्ड किया जा रहा है।

टाउनशिप में हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के अस्पताल में आडियो-वीडियो साधनों और आइ.जी.ओ.टी. से व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए आम सैनिटाइजेशन कार्यक्रमों के अलावा डाक्टरों, नर्सिंग और पारा-मेडिकल कर्मचारियों के लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

एचसीएल अस्पतालों में कोविड देखभाल केंद्र (सीसीसी) टाइप 1 में बदलने के लिए सुविधाओं का प्रावधान किया गया था, और रोगी को निकटतम कोविड समर्पित अस्पतालों में स्थानांतरित करने के लिए संबंधित अस्पतालों में एक एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई थी।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने फेस मास्क, हैंड सैनिटाइज़र और तौलिये फ्रंट लाइन कोविड-19 वारियर्स को वितरित किया।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों के एक दिन का वेतन और अव्यवहृत सी.एस.आर. निधि पीएम केअर्स (प्रधानमंत्री की नागरिक सहायता और आपातकालीन स्थिति में राहत) कोष में योगदान दिया।

.

कौशल विकास

कंपनी ने कौशल विकास की विभिन्न पहलों पर वित्तीय वर्ष 2019-20 में अपने सीएसआर निधि का 11.76% खर्च किया है।

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सहयोग से, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने 210 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें से 30 नये थे और 180 पूर्व शिक्षित के अधीन थे । इस कार्यक्रम के फ्रेश कौशल के तहत प्रशिक्षित 21 युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिली ।

मौजूदा प्रशिक्षण केंद्र का उन्नयन करके खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स में कौशल विकास संस्थान स्थापित किया गया है। वर्तमान में, 30 प्रशिक्षुओं का एक बैच वाइंडिंग इंजन ड्राइवर ट्रेड में व्यावहारिक प्रशिक्षण ले रहा है।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2019-20 में 314 व्यक्तियों को साझेदारी प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्रदान किया।

पुरस्कार और प्रशंसा

16 दिसंबर 2019 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (खान) में कोलिहान कॉपर खान, राजस्थान ने वर्ष 2015 के लिए एल.ए.एफ.पी. (सबसे लंबी दुर्घटना मुक्त अवधि) टाइप-6 श्रेणी के अधीन राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (खान) और एल.आई.एफ.आर.एम.आई. (प्रति लाख प्रति पाली सबसे कम चोट आवृत्ति दर)- टाइप- 6 श्रेणी के तहत वर्ष 2016 के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (खान) जीता ।

सुरदा कॉपर माइन, झारखंड को एलएएफपी श्रेणी (लंबी दुर्घटना मुक्त अवधि)- टाइप- 6 श्रेणी के अधीन वर्ष 2015 के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (खान) का रनर-अप मिला ।

29 अक्टूबर 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पेयजल और स्वच्छता परियोजना के लिए आयोजित समारोह में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सी.एस.आर. कॉरपोरेट अवार्ड की उपश्रेणी- ईस्ट' में राष्ट्रीय सीएसआर पुरस्कार 2018 का 'ऑनरेलबल मेंशन' पुनस्कार प्राप्त किया । यह भारत सरकार के कॉरपोरेट मामले के मंत्रालय द्वारा आयोजित पहला राष्ट्रीय पुरस्कार था।

01 दिसंबर 2019 से 08 दिसम्बर 2019 तक आयोजित 33 वें खान सुरक्षा सप्ताह- 2019 के दौरान भूमिगत खान की श्रेणी में और 05 जनवरी 2020 से 11 जनवरी 2020 तक आयोजित 30-वीं खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह 2019-20 के दौरान 'पूर्णत: मशीनीकृत (भूमिगत खान श्रेणी-बी)' की श्रेणी में केसीसी की खेतड़ी और कोलिहान खानों को कई पुरस्कार मिले।

औद्योगिक संबंध

पूरे वर्ष के दौरान कंपनी में औद्योगिक संबंध शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बने रहे। ट्रेड यूनियनों और अधिकारी संघ ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रबंधन को अपना पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता दी।

आभार

समाप्ति से पूर्व मैं अभूतपूर्व चुनौती का सकारात्मक सामना करने के लिए बोर्ड के सदस्यों और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की टीमों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

मैं खान मंत्रालय को उनके निरंतर सहयोग एवं अमूल्य दिशानिर्देशों के लिए धन्यवाद देता हूँ । मैं राज्य सरकार और अन्य सभी प्राधिकरणों और नियामक एजेंसियों द्वारा दिये गये समर्थन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं और सबसे अधिक, मैं कंपनी में अटूट विश्वास को कायम रखने वाले अपने शेयरधारकों का धन्यवाद करता हूं।

इसके अलावा, मैं अपने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और अन्य फ्रंटलाइन सैनिकों के प्रति हार्दिक बधाई ज्ञापित करता हूं जो कोविड -19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में हर दिन अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

मैं आशा करता हूँ कि आप सभी स्वस्थ्य रहेंगे एवं अपने व अपने परिवार की देखभाल अच्छी तरह से करते रहेंगे ।

अरुण कुमार शुक्ला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोलकाता
29 सितम्बर 2020

(यह वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही का रिकार्ड नहीं है)